Paper - IV

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - IV

Time : 3 Hours **(Pages 10)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य **20 अंक**

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **चौखट पूर्ण कीजिए।** ½

भक्तिमार्ग की मुख्य सिखावन - [ ]

ii) **उत्तर लिखिए।** ½

वाणी का संस्कार इस पर पड़ता है -

iii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** 1

(1) हरिनाम (2) वाणी

भक्तिमार्ग की मुख्य सिखावन है कि वाणी से हरिनाम लेते रहना चाहिए । शरीर संसार में काम भले ही करता रहे, किंतु वाणी में संसार न हो । वाणी का मन पर गहरा संस्कार पड़ता रहता है । कोई अगर सुंदर भजन सुनकर सो जाए तो सवेरे उठते ही बराबर वही अपने - आप याद आ जाता है, इतना उसका नाद नींद में भी मन में घूमता रहता है । तुलसीदास जी ने कहा है :

राम नाम मणि दीप धरु जीह देहरी द्वार,
तुलसी भीतर बाहरहुँ जो चाहस उजियार।

अंतर की आत्मा और बाहर का जगत इन दोनों के मध्य मानो यह वाणी देहरी है। अंदर और बाहर दोनों ओर अगर तुझे प्रकाश चाहिए तो वाणी की इस देहरी पर रामनाम का बिना तेल-बाती का मणिदीप रख दे।

धार्मिक पुरुषों ने सबसे पहला आदेश 'सत्यं वद' का दिया है । इसका खुलासा करते हुए मनु ने कहा है कि सारे व्यवहार वाणी पर अवलंबित हैं । इसलिए जिसने इस वाणी को ही चुरा लिया, उसने सब प्रकार की चोरी एक साथ की । कानून भी चाहता है कि 'सत्य', पूर्ण सत्य और केवल सत्य' ही कहो ।

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

इन दोनों के बीच देहलीज की भाँति वाणी

(1) ------ (2) -------

ii) **सही पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

(1) **अंदर और बाहर दोनों ओर प्रकाश के लिए**.....

(क) सत्य बोलना पड़ेगा।

(ख) बिजली के बल्ब का इस्तेमाल करना पड़ेगा।

(ग) वाणी की देहरी पर राम नाम का बिना तेल-बाती का मणिदीप रखना पड़ेगा।

(2) **वाणी को चुराने वाला सब प्रकार की चोरी एक-साथ करता है क्योंकि** .....

(क) सारे व्यवहार कर्म पर अवलंबित होते हैं।

(ख) सारे व्यवहार सत्य पर अवलंबित होते हैं।

(ग) सारे व्यवहार वाणी पर अवलंबित होते हैं।

3) i) **वचन बदलिए।** **1**

(1) पुरुष (2) संसार

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) अंधकार (2) अधार्मिक

4) **'मधुर वचन अमृत समान होते हैं।' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।** **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **समझकर लिखिए।** **1**

इन दो धर्मों के लोगों का उल्लेख परिच्छेद में हुआ है ।

(1) ..... (2) .....

ii) **चौखट पूर्ण कीजिए।** **1**

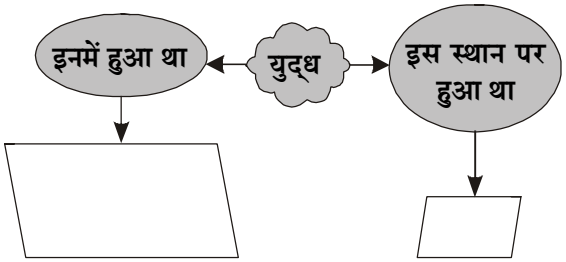

हिंदुओं के साथ ही बौद्धों में भी पलाश का वृक्ष बहुत पवित्र माना जाता है । अंग्रेजी कवि 'एडविन आर्नल्ड' ने अपनी पुस्तक 'द लाइफ ऑफ एशिया' में लिखा है कि 'भगवान गौतम बुद्ध की माँ राजमाता मायादेवी के राजमहल के परिसर में पलाश का एक सुंदर वृक्ष था । राजमाता को इस वृक्ष से बड़ा प्रेम था। वह प्राय: इस वृक्ष के नीचे आकर बैठती थीं और विश्राम करती थीं।'

ये वृक्ष बंगाल में बहुत पाए जाते हैं। नवाब सिराजुद्दौला और क्लाइव के मध्य जिस प्लासी नामक स्थान पर युद्ध हुआ था, वहाँ कभी पलाश का जंगल था। यह स्थान कोलकाता के उत्तर में लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर है। भारत के प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के लगभग सभी ग्रंथों में पलाश का उल्लेख देखने को मिल जाता है। इसके संबंध में लोकसाहित्य की भी कमी नहीं है । ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में पलाश के संबंध में अनेक किंवदंतिया प्रचलित हैं । पलाश लेग्यूमिनोसी परिवार का वृक्ष है । पहले इसका वैज्ञानिक नाम ब्यूटि या फ्रांडोसा रखा गया। 'फ्रांडोसा' का अर्थ होता है पत्तों से ढँका हुआ। पतझड़ के बाद पलाश वृक्ष पर जब नए पत्ते आते हैं तो यह पूरी तरह पत्तों से ढँक जाता है। संभवत: इसी लिए इसे यह वैज्ञानिक नाम दिया गया था।

2) i) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) ब्यूटि (2) एडविन आर्नल्ड

ii) **समझकर लिखिए ।** **1**

(1) इस परिवार का वृक्ष है पलाश -

(2) पलाश का वैज्ञानिक नाम -

3) i) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) ढंका (2) बौध्द

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) अपवित्र (2) घृणा

4) **'वृक्ष प्रकृति द्वारा दिया गया बहुमूल्य उपहार है।' इस कथन के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।** **2**

प्र.1.(ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (4)

1) उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए । 1

i) भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हमारा जाग्रत रहना आवश्यक है,क्योंकि .....

(क) हम उसी पर निवास करते हैं ।

(ख) इसीसे उत्पन्न अन्न हम खाते हैं ।

(ग) उसीसे हमारी राष्ट्रीयता को बल मिलता है ।

ii) हमारे राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित है, क्योंकि .....

(क) हमारी राष्ट्रीयता की जड़ें पृथ्वी में बहुत गहरी है ।

(ख) हमने अनेक युद्ध लड़े हैं ।

(ग) हमारा इतिहास बहुत पुराना है ।

2) कारण लिखिए । 1

i) हमें भूमि के भौतिक स्वरूप के प्रति सचेत रहना चाहिए, क्योंकि .....

ii) राष्ट्रीयता पृथ्वी के साथ जुड़ी होनी चाहिए, क्योंकि .....

भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनंत काल से हैं, उसके भौतिक स्वरूप, सौंदर्य और समृद्धि के प्रति सचेत रहना हमारा आवश्यक कर्तव्य है । भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जाग्रत होंगे, उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी । यह पृथ्वी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय वियारधाराओं की जननी है । जो राष्ट्रीयता पृथ्वी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मूल होती है । राष्ट्रीयता की जड़ें पृथ्वी में जितनी गहरी होंगी, उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा । इसलिए पृथ्वी के भौतिक स्वरूप की आद्योपांत जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुंदरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना अपना आवश्यक धर्म है । उदाहरण के लिए पृथ्वी की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाने वाले मेघ जो प्रतिवर्ष समय पर आकर अपने अमृत जल से इसे सींचते हैं, हमारे अध्ययन की परिधि के अंतर्गत के आने चाहिए । उन मेघजलों से परिवर्धित प्रत्येक तृणलता और वनस्पति का सूक्ष्म परिचय प्राप्त करना भी हमारा कर्तव्य है ।

3) 'राष्ट्र के स्वरूप में पृथ्वी के भौतिक स्वरूप का महत्त्व' - इस विषय पर अपने विचार 6 से 8 वाक्यों में व्यक्त कीजिए । 2

विभाग 2 - पद्य **16 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

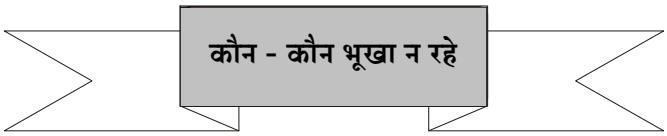

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

साँईं इतना दीजिए, जा में कुटुंब समाए।
मैं भी भूखा न रहूँ, साधु न भूखा जाए।।

2) i) **पद्यांश पर आधारित दो प्रश्न तैयार कीजिए।** **1**

(1) ..... (2) .....

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

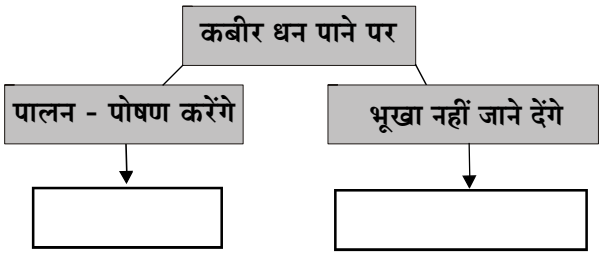

3) i) **शब्द बनाइए - जैसे -** भूख - भूखा **1**

(1) सुख (2) दुख

ii) **समानार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) कुटुंब (2) साँईं

4) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

''साँईं इतना दीजिए, जा में कुटुंब समाए।
मैं भी भूखा न रहूँ, साधु न भूखा जाए।।''

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) आकृति पूर्ण कीजिए। **2**

i)

ii)

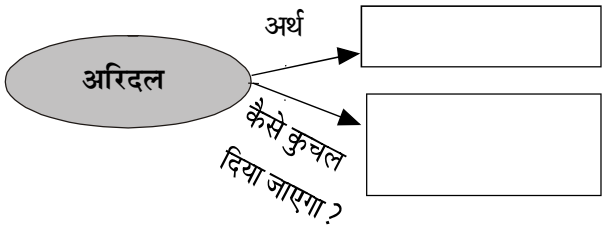

मत डर प्रलय–झकोरों से तू,
बढ़ आशा-हलकोरों से तू,
क्षण में यह अरिदल मिट जाएगा तेरे पंखों से पिसकर।
खग, उड़ते रहना जीवन भर!
यदि तू लौट पड़ेगा थककर,
अंधड़ कालबवंडर से डर,
प्यार तुझे करने वाले ही देखेंगे तुझको हँस-हँसकर ।
खग, उड़ते रहना जीवनभर !

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

कवि ने खग को हिम्मत दिलाते हुए कहा -

(1) --------- (2) ----------

ii) **एक शब्द में उत्तर लिखिए।** **1**

(1) खग के शत्रुओं का संहार होगा -

(2) खग इनके हँसी का पात्र बनेगा -

3) i) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए।** **1**

1) अंधड़ - (2) कालबवंडर -

ii) **पद्यांश में आए तुकांत शब्दों की जोड़ियाँ बनाइए।** **1**

(1) --------- (2) ----------

4) निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

''यदि तू लौट पड़ेगा थककर,
अंधड़ कालबवंडर से डर,
प्यार तुझे करने वाले ही देखेंगे तुझको हँस-हँसकर।''

विभाग 3 - पूरक पठन **04 अंक**

प्र.3. परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) (1) **कृति पूर्ण कीजिए।** ½

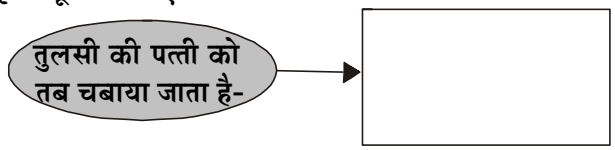

(2) **आकृति पूर्ण कीजिए।** ½

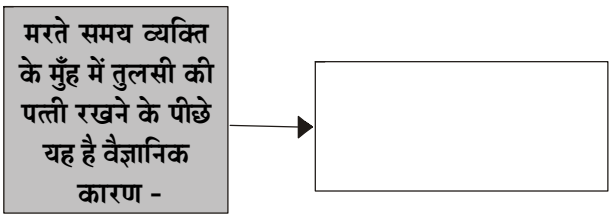

ii) **परिच्छेद में प्रयुक्त बीमारियों के नाम लिखिए।** **1**

भारत में तुलसी की पत्ती व मंजरी को औषधि रूप में प्रयुक्त किया जाता है। छोटे बच्चे या शिशुओं को हिचकी लगते समय इसकी पत्ती की एक बिंदी बच्चे के माथे पर लगा देते हैं। गंदे स्थानों या कीटाणुओं वाली जगहों से लौटने के बाद लोग तुलसी की पत्ती मुँह में रखकर चबा लिया करते हैं। चरणामृत के द्रव्यों में तुलसी की पत्ती एक प्रमुख अंश है। घरों में पूजा के जलपात्र में पानी के साथ तुलसीदल भी देवताओं को चढ़ाया जाता है। हिंदू लोगों द्वारा अभी भी जनेऊ, चूड़ी वगैरह टूटने पर पवित्र जगह यानी तुलसी के पास रख दिए जाते हैं। मरते समय आदमी के मुख में तुलसी की पत्ती रखे बिना संस्कार पूरा नहीं होता। यह विधि वैज्ञानिक इसलिए भी है कि मरते समय आदमी की साँस के कीटाणु तुलसी से नष्ट हो जाएँ, फैलें नहीं और उधर कहते हैं कि तब तक प्राणपखेरू शांति से नहीं निकलते जब तक कि तुलसीदल न रखा जाए।

2) **'अंधविश्वास और विज्ञान' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।** **2**

विभाग 4 - व्याकरण **10 अंक**

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**

मधुर

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** **½**

उसे कोई पुकार रहा था ।

2) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए ।** **1**

मैनेजर से हिदायत दि गया ।

3) i) **निम्नलिखित सहायक क्रियाओं का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**

पड़ना

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** **½**

वह बहुत निराश होकर रोने लगा ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** **1**

क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्वितीय प्रेरणार्थक**
मानना	----	----

5) i) **अव्ययों का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

के लिए

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** **1**

हाँ, तुम गलत काम करते हो ।

6) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** **2**

बहुत से नेता आए ।

i) अपूर्ण वर्तमानकाल --

ii) पूर्ण भूतकाल --

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** **1**

सिहर जाना -

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

(मोल लेना, कानों में गूँजना, खिलखिलाकर हँसना)

मामाजी को आते देखकर छोटी राधा अत्यंत प्रसन्नता से हँसने लगी ।

विभाग 5 - रचना **30 अंक**

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है : **(15)**

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **5**

सूरज पुस्तक भंडार, शास्त्री रोड, आगरा हिंदी की कुछ पुस्तकें तथा संदर्भ ग्रंथ 50 % मूल्य में उपलब्ध

i) गबन, गोदान : प्रेमचंद

ii) मधुशाला : हरिवंशराय बच्चन

iii) हिंदी व्याकरण : भोलानाथ तिवारी..... आदि

उपर्युक्त विज्ञापन पढ़कर आगरा से सुधाकर / सुधा पांडे विविध पुस्तकों की माँग करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

बिजली का बिल अधिक आने के कारण नासिक से रमेश / रमा पटेल त्रस्त है । इस संदर्भ में वह उपअभियंता, महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडल नासिक को शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । **5**

लोमड़ी और सारस - घनिष्ट मित्रता - लोमड़ी द्वारा सारस को दावत - खीर बनाकर थाली में परोसना - चोंच लंबी होने के कारण खा न पाना - सारस द्वारा लोमड़ी को दावत - खीर बनाकर पतली गर्दन वाली सुराही में परोसना

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके । **5**

समय की पाबंदी का उद्देश्य है अपने कार्य को मन लगाकर ठीक समय पर, निश्चित अवधि के भीतर सफलतापूर्वक पूर्ण करना । जो लोग समय के पाबंद होते हैं उन्हें अपने कार्य करने के लिए किसी की प्रेरणा या किसी के अनुरोध की आवश्यकता नहीं होती बल्कि उनकी आत्मा ही उन्हें अपने प्रत्येक कार्य में प्रवृत्त

करती है । समय की पाबंदी करने वाले उत्साही और फुर्तीले होते हैं, अपने कार्यों को योजनाबद्ध रीति से करते हैं और अपने काम के समय का पूरा - पूरा उपयोग करने का ध्यान रखते हैं । ऐसे मनुष्य अमोद - प्रमोद के लिए, अपने मित्रों और सगे - संबंधियों से मिलने - जुलने के लिए तथा विश्राम और शयन के लिए उचित अवकाश भी निकाल लेते हैं परंतु इसके विपरीत समय की पाबंदी की उपेक्षा करने वाले लोग तनाव में रहते हैं, उनका समय इधर - उधर आलस्य और प्रमाद करने में व्यर्थ ही व्यतीत हो जाता है और वे सदा काम के बोझ की शिकायत करते रहते हैं ।

प्र.6. प्रसंग लेखन : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

1) मैं संध्या समय नदी किनारे टहलने के लिए गया था । उस वक्त पास के गाँव के कुछ बच्चे भी नदी किनारे टहलने आए थे । उनमें से एक बच्चे ने अपने साथ लाई हुई कूड़े - कचरे की बैग पानी में फेंक दी। मैं हैरान हो गया और....

2) विज्ञापन लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए :-

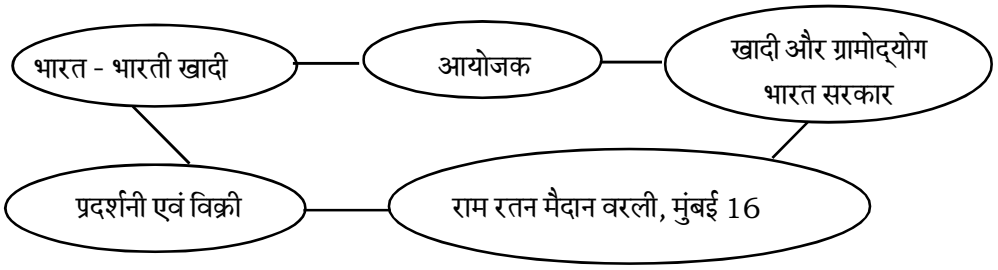

3) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :- (60 से 80 शब्दों में) **5**

1) अंधश्रद्धा - एक अभिशाप ।
2) मेरा देश महान ।

Best Of Luck